लखनऊ
सोमवार, 05 जून 2023
वर्षः-07 अंकः-45
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

ओडिशा रेल हादसाः हमारी जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं...

लापता लोगों की बात करते रो पड़े रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

करण वाणी, न्यूज

बालासोर रेल एक्सीडेंट साइट पर रेल ट्रैक के रेस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया गया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रीस्टोरेशन वर्क के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अब दोनों तरफ यानी अप और डाउन से रेल यातायात के लिए ट्रैक पूरी तरह तैयार है और क्लियर है. ये बताते बताते रेल मंत्री रो पड़े. लापता लोगों का जिक्र करते हुए बोले, हमारी जिम्मेदारी अभी पूरी नहीं हुई है।

ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भावुक हो गए. रेल मंत्री प्रभावित ट्रैक के रीस्टोरेशन को लेकर मीडिया को जानकारी दे रहे थे, लेकिन इस दौरान वह भावुक हो गए और उनका गला रुंध गया. इसी रुंधे गले से रेल मंत्री ने कहा कि बालासोर रेल एक्सीडेंट साइट पर रेल ट्रैक के रेस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया गया है. अब दोनो तरफ (वढ-उद्धहठ) से रेल यातायात के लिए रास्ता साफ हो गया है. एक त?फ से दिन में काम पूरा कर लिया गया था, अब दूसरी साइट का भी काम पूरा हो गया है. इसी के बाद उन्होंने रेल हादसे में लापता लोगों का जिक्र किया. रेल मंत्री ने कहा, ट्रैक पर रास्ता साफ हो गया है, लेकिन अभी हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं हुई है।

लापता लोगों को खोजना हमारा लक्ष्यः रेल मंत्री

रेल मंत्री ने रोते हुए कहा, 'हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लापता लोगों के परिवार के सदस्य जल्द से जल्दी अपने परिजनों से मिल सकें. उन्हें जल्द से जल्द खोजा जा सके. हमारी जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई है" बता दें कि बालासोर में जहां ट्रेन हादसा हुआ था, वहां चौबीसों घंटे काम युद्धस्तर पर जारी रहा. रेल मंत्री

अश्विनी वैष्णव लगातार घटनास्थल पर मौजूद रहे. सैकड़ों रेल कर्मी, राहत बचाव दल के जवान, टेक्नीशियन्स से लेकर इंजीनियर्स तक दिन-रात काम करते रहे.

शनिवार रात ही हटा दी गईं क्षतिग्रस्त बोगियां

हादसे के बाद घटनास्थल पर जो हालात थे, वो तेजी से बदलते रहे. पटरी पर बिखरी बोगियां शनिवार रात ही हटाकर किनारे की जा चुकी थी. हादसे के बाद दोनों एक्सप्रेस ट्रेन और मालगाड़ी के बचे हुए डिब्बे भी पटरी से हटा लिए गए. इसके बाद रविवार को दिनभर ट्रैक के रिस्टोरेशन का काम जारी रहा. इसी का नतीजा रहा कि हादसे के 51 घंटे बाद ही पहली ट्रेन का संचालन इस ट्रैक पर शुरू किया गया था. जिसे चलाकर देखा गया कि ट्रैक सही तरीके से फिट हैं या नहीं, और इसके बाद रविवार की देर रात अप और डाउन दोनों लाइनों पर रीस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया गया. अब इस लाइन और प्रभावित ट्रैक पर ट्रेन एक बार फिर आवाजाही के लिए तैयार हैं।

रविवार रात 10:40 बजे चली पहली ट्रेन

इस बारे में अफसरों ने बताया कि, बालासोर में जिस खंड में दुर्घटना हुई थी, वहां भीषण हादसे के 51 घंटे बाद पहली ट्रेन रविवार रात करीब 10.40 चलाकर देखी गई. रेलमंत्री ने यहां से मालगाड़ी को रवाना किया. कोयला ले जाने वाली ये ट्रेन विजाग बंदरगाह से राउरकेला स्टील प्लांट की ओर जा रही है. ट्रेन ने उसी ट्रैक पर सफर किया, जिस पर शुक्रवार को बेंगलुरु-हावड़ा ट्रेन हादसे का शिकार हुई थी. इसे लेकर, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया था कि, "डाउन लाइन पर काम पूरा, ट्रैक को किया गया बहाल. सेक्शन पर पहली ट्रेन चलाई गई." डाउनलाइन के ठीक होने के बमुश्किल दो घंटे बाद अपलाइन भी पूरी तरह आवाजाही के लिए तैयार हो गई।

ओडिशा रेल हादसे पर गौतम अडानी का बड़ा ऐलान- जिन बच्चों ने अभिभावक खोए, उन्हें हम पढ़ाएंगे

ओडिशा रेल हादसा कई परिवारों को जिंदगीभर का दर्द दे गया है. जख्म इतने गहरे हैं जो शायद कभी नहीं भरे. लेकिन इस बीच देश से बड़े उद्योगपति और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है. ओडिशा के बालासोर में रेल हादसे में किसी ने पिता खोया तो किसी ने पति. कोई परिवार के साथ जा रहा था, कोई परिवार के लिए कमाने. तमाम ऐसे भी थे जो परिवार में एकमात्र कमाऊ थे. घर से वादा करके निकले थे कि पहुंचते ही फोन करेंगे और जल्द पैसा भी भेजेंगे. लेकिन अब न तो उनका कभी फोन आएगा, और न ही पैसे. अब बड़ा सवाल ये है कि ऐसे परिवार का भरण-पोषण कैसे होगा।

कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. इस भयावह रेल हादसे ने देश को झकझोर दिया है. अपनों की तलाश में लोग दर-दर भटक रहे हैं. बहानागा रेलवे स्टेशन के पास पसरा मंजर इतना भयावह है जिसे देखकर रूह कांप जाए. इस हादसे में 275 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1175 लोग घायल हैं।

उद्योगपित गौतम अडानी ने मदद के लिए बढ़ाया हाथ

ये हादसा कई परिवारों को जिंदगीभर का दर्द दे गया है. जख्म इतने गहरे हैं जो शायद कभी नहीं भरे. लेकिन इस बीच देश से बड़े उद्योगपति और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

गौतम अडानी ने इस रेल हादसे पर दुख जताते हुए मदद का फैसला किया है. उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'जिन मासूमों ने इस हादसे में अपने अभिभावकों को खोया है, उनकी स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी अडानी समूह उठाएगा।

गौतम अडानी ने कहा कि ओडिशा की रेल दुर्घटना से हम सभी बेहद व्यथित हैं. जिसके बाद हमने ऐसे बच्चों की स्कूली शिक्षा का बेड़ा उठाने का फैसला किया है, जिनके अभिभावक इस हादसे में नहीं रहे. पीड़ितों और उनके परिजनों को संबल और बच्चों को बेहतर कल मिले यह हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को कराया नैमिषारण्य दर्शन

सरोजनीनगर परिवार के अभिभावकों का स्नेह-आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी पूँजीः डॉ. राजेश्वर

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। वृद्धजनों को तीर्थयात्रा कराना, ईश्वर की आराधना से कम नहीं है। यह मानना है सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का, जो निःशुल्क वृद्धजनों को नियमित तौर पर तीर्थयात्रा करवा रहे हैं। यही नहीं वे वृद्धजनों से किये अपने सारे वादे को तत्परता से पूरा कर रहे हैं तथा उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

इसी क्रम में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह नें विगत 14 मई को मातृदिवस के अवसर पर सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान वृद्धाश्रम के वृद्धजनों से नैमिषारण्य तीर्थ के दर्शन कराने के अपने वादे को पूरा करते हुए शनिवार को रामरथ श्रवण यात्रा का विशेष संचालन करवाया। इस मौके पर वृद्धाश्रम के सारे बुजुर्ग काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने अपने क्षेत्र के विधायक को धन्यवाद देते हुए कहा कि पहले हम लोग तीर्थस्थलों पर जाने के बारे में सिर्फ सोच सकते थे, लेकिन अब हमें हमारे विधायक जी के द्वारा अयोध्या के बाद नैमिषारण्य का दर्शन कराया जा रहा है।

बता दें पूरे सफर में श्रद्धालुओं के लिए खाने-पीने की व्यवस्था से लेकर अन्य आवश्यक सुविधाओं के प्रबंध डॉ राजेश्वर सिंह के द्वारा किए गए थे। पूरे सफर के दौरान वालंटियर्स के द्वारा सभी बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखा गया। नैमिषारण्य तीर्थ के सुखद दर्शन के बाद बुजुर्गों को वापस सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान वृद्धाश्रम में सकुशल पहुंचाया गया। जनता अपने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के इस विशेष पहल की खूब सराहना कर रही है। इस बारे में डॉ. राजेश्वर सिंह कहना है कि वृद्धजनों की सेवा मेरा दायित्व है और उन्हें तीर्थ यात्रा करवाना मेरा सौभाग्य है। सरोजनीनगर परिवार के अभिभावकों का स्नेह- आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी पूँजी है।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी को घेरने के लिए अखिलेश यादव ने बनाय प्लान

लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने मौजूदा सांसदों के अधूरे वादे और अन्य जानकारियां मांगी हैं, इसके तहत सभी लोकसभा सीटों से कुछ डाटा जुटाया जा रहा है।

करण वाणी, न्यूज

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी जोर-शोर से तैयारियों में जुट गई है. पार्टी एक तरफ अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी है तो दूसरी तरफ भाजपा को घेरने के लिए भी एक खास रणनीति बनाई है. सके तहत सपा अब बीजेपी के मौजूदा सांसदों के अधूरे वादों को लेकर सत्ता पक्ष को घेरने का काम करेगी. इसके लिए प्रदेश के जिलाध्यक्षों और नगर अध्यक्षों से एक निर्धारित प्रारूप पर कुछ जानकारियां मांगी गई हैं।

सपा ने अगले 1-2 दिन के अंदर ही ये जानकारी पार्टी नेतृत्व को देने के लिए कहा है. पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा सांसदों के अधूरे वादों के अलावा कुछ और जानकारियां भी मांगी हैं. इसके तहत सपा ने एक फॉर्मेट तैयार किया है. जिसमें सभी लोकसभा सीटों से कुछ डाटा जुटाया जा रहा है. यह डाटा संबंधित लोकसभा सीट के वर्तमान सांसद से जुड़ी जानकारियों पर आधारित है. सपा ने फॉर्म में सभी लोकसभा सीटों से जुड़ी कई तरह की जानकारियां मांगी हैं।

फॉर्म में सबसे ऊपर लोकसभा संसदीय क्षेत्र का नाम, क्रमांक, वहां के पार्टी प्रभारी का नाम और नंबर, पर्यवेक्षक का नाम और नंबर, समन्वयक का नाम और नंबर, वर्तमान सांसद का नाम और उसका राजनीतिक दल भरना होगा. अब अगर इस फॉर्म में जो जानकारियां मांगी गई उस पर गौर करें तो तीसरे नंबर पर जो नए सांसद से इस संसदीय क्षेत्र की 5 प्रमुख अपेक्षाएं के बारे में जानकारी मांगी गई है उसमें सामान्य अपेक्षाएं नहीं लिखी जाएंगी, जैसे महंगाई, बेरोजगारी, असुरक्षा जैसे बातें जो सबसे सरल तौर पर नेता करते हैं, बल्कि उस संसदीय क्षेत्र से जुड़ी स्पेसिफिक बात करनी होगी.

सभी सांसदों को लेकर मांगी गई जानकारियां

ये सारी जानकारी जुटाने के बाद सपा आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी आगे की रणनीति तैयार करेगी. जिस तरह से ये डेटा जुटाया जा रहा है उससे साफ जाहिर है कि पार्टी सीट के हिसाब से अपनी चुनावी तैयारी अलग अलग रखेगी. जाहिर सी बात है कि जब 80 सीटों का ब्यौरा जुटाया जाएगा तो उसमें सपा के भी 3 सांसद आएंगे जिसमें से 1 डिंपल यादव खुद भी हैं. हालांकि वो उपचुनाव में मैनपुरी से सांसद चुनी गई, लेकिन इनके अलावा बाकी दोनों सांसद 2019 के चुनाव से जीतकर आये थे।

बीजेपी को घेरने के लिए बनाया प्लान

मौजूद सांसदों के अधूरे वादों समेत अन्य मुद्दों पर जानकारी जुटाने को लेकर सपा प्रवक्ता व एमएलसी उदयवीर सिंह ने कहा कि जनता के बीच में जब कोई पार्टी के नेता जाते तो वह वादे करते हैं. उन वादों को पूरा करना उनकी जिम्मेदारी है. भाजपा सरकार ने कोई वादा ईमानदारी से पूरा नहीं किया. अधूरे की बात छोड़िए शुरू ही नहीं किए. निश्चित तौर पर यह हिसाब किताब होना चाहिए कि उन्होंने क्या वादे किए थे, क्या क्षेत्रीय स्तर पर, क्या राष्ट्रीय स्तर पर, क्या प्रदेश स्तर पर और उन वादों के मामले में वादा पूरा करना तो छोड़िए उल्टा हो रहा हैं. ऐसी परिस्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का काम है और सपा करेगी।

सपा मौजूदा सांसदों के अधूरे वादों समेत अन्य बिंदुओं पर जो रिपोर्ट बनवा रही उसे लेकर भाजपा एमएलसी व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक ने कहा कि विपक्ष के लिए सत्तापक्ष की नाकामी यही मुद्दा होता है, इसलिए सपा जुटा रही है, लेकिन वो हमारी नाकामी ही बताएंगे और हम अपनी उपलब्धि बताएंगे. अगर प्रो इनकंबेंसी के आधार पर उत्तर प्रदेश में 37 सालों के बाद बीजेपी सरकार वापस आई है, इसके आधार पर हम नगर निगम में जीत सकते है तो इसी प्रवृत्ति के बल पर हम लोकसभा क्यों नहीं जीतेंगे. हमारे पास उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है, हम काम कर रहे है।

सपा ने मांगी ये जानकारियां

- वर्तमान सांसद के 5 प्रमुख कार्य एवं उपलब्धियां जो कार्यकाल में सम्पन्न हुए
- वर्तमान संसद के 5 प्रमुख वादे जो पूरे नही हुए
- नए सांसद से इस संसदीय क्षेत्र की 5 प्रमुख अपेक्षाएं
- पार्टी/संगठन/प्रशासन व चुनाव समीकरण से संबंधित कोई अन्य सलाह या स्थानीय अपेक्षा

राहुल गांधी के कार्यक्रम में लगे

खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 10 दिन की विदेश यात्रा पर अमरीका पहुंचे हैं। यहां बुधवार को उन्होंने कैलिफोर्निया में भारतीयों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। जिस समय वह भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे ठीक उसी समय हॉल में बैठे खालिस्तानी समर्थकों ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए हवा में खालिस्तानी झंडे लहराए। खालिस्तानियों ने कांग्रेस पर 1984 के सिख नरसंहार की अध्यक्षता करने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं खिलास्तानियों ने जून में प्रधानमंत्री मोदी की अमरीका यात्रा के दौरान उन्हें घेरने की भी धमकी दी। इस घटनाक्रम को की जिम्मेदारी रअ्रख ने ली है । रअ्रख के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस घटना का वीडियो जारी किया है।

२इससे पहले कांग्रेस ने विज्ञप्ति में बताया कि यात्रा का आयोजन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) कर रहा है। इस यात्रा में राहुल गांधी प्रवासी भारतीयों के विभिन्न संगठनों से बातचीत करेंगे। इसके साथ ही वह भारत में लोकतंत्र के विकास, मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी संवाद करेंगे। पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र वर्तमान परिवेश में बहुत बड़ी वैश्विक आवश्यकता है। हमारा लोकतंत्र न केवल अपने 1.4 अरब लोगों के लिए नवाचार एवं लोकतांत्रिक सुधार का मजबूत आधार है बल्कि 21वीं सदी में अन्य देशों के लिए लोकतंत्र का मॉडल भी दे सकता है।

आईओसी के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की अमेरिकी यात्रा पर खुशी जताई और कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसलिए लोकतांत्रिक संवाद शुरू कर उसका नेतृत्व करने की नैतिक जिम्मेदारी भी हमारी ही है। राहुल गांधी की यात्रा का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि यात्रा के पहले चरण में कांग्रेस नेता सिलिकॉन वैली में दो दिन तक चार कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस क्रम में उन्होंने सिलिकन वैली के एक कार्यक्रम में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के अनुभव बताये। राहुल गांधी वहां उद्यमियों और विशेषज्ञों के साथ भी बातचीत करेंगे और फिर स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में संकाय, छात्रों, बुद्धिजीवियों और विशेषज्ञों के साथ लोकतंत्र पर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस ने बताया कि यात्रा के दूसरे चरण में राहुल गांधी वाशिंगटन डीसी जाएंगे जहां वह हडसन इंस्टीट्यूट जैसे थिंक-टैंक के सदस्यों से मिलेंगे। वह नेशनल प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वैश्विक मीडिया के एक बड़े वर्ग के साथ बातचीत भी करेंगे। पार्टी ने बताया कि नेशनल प्रेस क्लब में इससे पहले जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और पी.वी. नरसिम्हा राव भी प्रेस को संबोधित कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी राजनेताओं, अमेरिकी प्रशासन के सदस्यों, शिक्षाविदों और व्यापारी समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ रात्रिभोज करेंगे। भारत-अमेरिका सुरक्षा परिषद के सदस्यों और प्रमुख मीडिया अधिकारियों से मुलाकात कर वह कांग्रेस नेताओं तथा सीनेटरों के युवा स्टाफ सदस्यों के साथ बैठक कर स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

यात्रा के अंतिम चरण में राहुल गांधी न्यूयॉर्क में बुद्धिजीवी, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों के साथ हाई टी पर चर्चा करेंगे। वह कला और संगीत क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों के साथ अलग-अलग बैठक करने के बाद उन सबके साथ दोपहर का भोजन भी करेंगे। राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान चार जून को न्यूयॉर्क में बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने के लिए मशहूर जैविक सेंटर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जहां विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों से मुलाकात के साथ ही वह आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, हरियाणा, पंजाब तथा अन्य भारतीय राज्यों के लोगों के संगठनों के सदस्यों से मुलाकात करेंगे।

राहुल गांधी की टिप्पणी उनकी गमानसिकता की अभिव्यक्तिः धामी

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने श्री गुरु नानक देव जी के संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा की गई मनगढ़ंत टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इसे राहुल गांधी की बौनी मानसिकता की अभिव्यक्ति करार दिया है।

धामी ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का व्यक्तित्व और लौकिक विचारधारा वह है, जो पूरी मानवता को एक करती है, जिससे कोई भी सांसारिक व्यक्ति अपनी तुलना नहीं कर सकता। राहुल गांधी ने अपनी व्यक्तिगत और राजनीतिक यात्रा को परिभाषित करने के लिए श्री गुरु नानक देव जी की अवहेलना की है। धामी ने कहा कि भारत जोड़ो की बात करने वाले कांग्रेस के नेता को 1984 में कांग्रेस द्वारा सिखों के नरसंहार को याद करना चाहिए। जब सिख समुदाय जून 1984 के दंगों को याद कर रहा है तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर सिख इतिहास और गुरु साहिबों के खिलाफ टिप्पणी करके सिख मानसिकता को चोट पहुंचाने का प्रयास किया है। उन्होंने राहुल गांधी को सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने से परहेज करने और सिख समुदाय के इतिहास, गुरुओं के व्यक्तित्व और सिख सरोकारों से टकराने से बचने की सलाह दी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस ने कहा.....

'राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में फैसला नहीं सुनाने का था दबाव

उन्होंने कहा, 'फैसला सुनाने के बाद मैं धन्य महसूस कर रहा था,मुझ पर मामले में फैसला टालने का दबाव था। घर के अंदर भी दबाव था और बाहर से भी।'

करण वाणी, न्यूज

मेरठ। साल 2010 में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में अहम फैसला सुनाने वाली इलाहाबाद हाईकोर्ट की बेंच का हिस्सा रहे जस्टिस (सेवानिवृत्त) सुधीर अग्रवाल ने दावा किया कि उनपर निर्णय नहीं देने का "दबाव" था और कहा कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो अगले 200 वर्षों तक इस मामले में कोई फैसला नहीं होता। जस्टिस अग्रवाल 23 अप्रैल 2020 को हाईकोर्ट से रिटायर हो गए।

मैं धन्य महसूस कर रहा था- जस्टिस अग्रवाल

शुक्रवार को मेरठ एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अग्रवाल ने कहा, 'फैसला सुनाने के बाद मैं धन्य महसूस कर रहा था, मुझ पर मामले में फैसला टालने का दबाव था। घर के अंदर भी दबाव था और बाहर से भी।' बकौल अग्रवाल, 'परिवार व रिश्तेदार सभी सुझाव देते रहे थे कि वह किसी तरह समय कटने का इंतजार करें और खुद फैसला न दें।'

अगले 200 साल तक भी इस विवाद का फैसला नहीं हो पाता- जस्टिस अग्रवाल

उनका यह भी कहना है, 'अगर 30 सितंबर 2010 को वह राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में फैसला न सुनाते तो इसमें अगले 200 साल तक भी फैसला नहीं हो पाता।' तीस सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 2:1 के बहुमत से फैसला सुनाया था जिस के तहत अयोध्या में स्थित 2.77 एकड़ भूमि को समान रूप से तीन हिस्सों में विभाजित किया जाना था और एक हिस्सा सुन्नी वक्फ बोर्ड को, एक हिस्सा निमोर्ही अखाड़े को और एक हिस्सा 'राम लला' को दिया जाना था।

तीन जजों की बेंच ने सुनाया था फैसला

इस बेंच में जस्टिस एस यू खान, जस्टिस सुधीर अग्रवाल और जस्टिस डी वी शर्मा शामिल थे। नवंबर 2019 में एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अयोध्या में विवादित भूमि पर मंदिर बनाया जाएगा और सरकार को मुस्लिम पक्षकारों को कहीं और पांच एकड़ का भूखंड देने का आदेश दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आई साहिल की दरिंदगी.....

दिल्ली मर्डर केसः नाबालिग के शरीर से बाहर आ गई थीं आंतें, सिर में भी घोंपा था चाकू

देश को झकझोर देने वाले दिल्ली मर्डर केस में पीड़ता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कई बड़े खुलासे हुए हैं जिसमें आरोपी साहिल की क्रूरता सामने आई है।

करण वाणी, न्यूज

दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में 16 साल की लड़की की निर्मम हत्या के बाद उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है. इस रिपोर्ट में कई दिल दहला देने वाले खुलासे हुए हैं. 28 मई को आरोपी साहिल ने किस तरह की वारदात को अंजाम दिया था इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मृतका की आंते बाहर आ गई थीं और उसके सिर में भी चाकू घोंपा था।

सूत्रों के हवाले से बताया है कि पुलिस को अस्पताल से 16 से 17 पन्नों की चार्जशीट मिली है जिसमें साहिल की क्रूरता की पूरी दास्तां बताई गई है. पुलिस सूत्रों ने कहा कि पोस्टमार्टम में खुलासा हुआ है कि साहिल के हमले इतने गंभीर और क्रूर थे कि पीड़िता की आंत के साथ आंतरिक अंग भी बाहर आ गए।

और क्या है पोस्टमार्टम रिपोर्ट में?

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आरोपी साहिल ने नाबालिग लड़की के ऊपर कई बार चाकुओं से वार किया. यहां तक कि उसने पीड़िता के सिर में भी चाकू घोंप दिया और फिर उसे पत्थर से कुचला. पीड़िता के शरीर पर चोट के निशान इस बात की पुष्टि भी करते हैं. उसके सिर की हड्डियों में दरारें और चोटें पाई गई हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट बताती है कि साहिल ने बेहद ही क्रूरता और घातक तरीके से उसके ऊपर हमला किया था।

सूत्रों ने कहा है कि पीड़िता के शरीर पर चाकुओं के 16 घावों में से सबसे ज्यादा घाव कंधे और कमर के हिस्से में मौजूद हैं. साथ ही, उसके शरीर में कई हड्डियां टूटी मिलीं. ये दशार्ता है कि उसकी हत्या किस क्रूरता के साथ की गई. डॉक्टरों के मुताबिक, आरोपी साहिल ने नाबालिक लड़की के शरीर पर गहरे जख्मों के कई निशान दिए हैं।

मर्डर वेपन जांच के लिए भेजा गया

तो वहीं, पुलिस ने 1 मई को मर्डर वेपन चाकू के साथ-साथ जूते बरामद किए हैं. इन्हें जांच के लिए फॉरेंसिंक लैब में भेज दिया गया है. पुलिस का कहना है कि 28 मई को नई दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में 20 साल के साहिल नाम के व्यक्ति ने नाबालिग की कई बार चाकुओं से वार करके हत्या कर दी और सिर को पत्थर से कुचल दिया था. घटना के बाद आरोपी को पुलिस ने यूपी के बुलंदशहर से गिरफ्तार किया था।

इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था जिसमें साहिल को कथित तौर पर लड़की पर चाकू से कई बार वार करते हुए दिखाया गया है. जब वह जमीन पर गिर गई तब भी उसने चाकू मारना जारी रखा. साहिल ने उसे लात भी मारी और फिर पास में पड़े एक बड़े से पत्थर को उठाया और उसके सिर पर दे मारा. फुटेज में ये भी दिखाया गया कि लोग घटना को देख रहे हैं और बिना किसी हस्तक्षेप के आगे बढ़ रहे हैं।

झमाझम बारिश लेकर बस आ गया मॉनसून

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 4 जून को लक्षद्वीप के पास पहुंच गया है। केरल में दस्तक देने पर मॉनसून की आमद की घोषणा हो जाएगी।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। मॉनूसन का इंतजार बस खत्म हुआ समाझिए। यह देश की समुद्री सीमा में प्रवेश कर चुका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने रविवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में आगमन की भविष्यवाणी की है। राज?य में सोमवार से भारी बारिश की संभावना है। क्टऊके मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अब लक्षद्वीप और दक्षिण अरब सागर के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा है। रविवार को एक अलर्ट में आईएमडी ने कहा कि 'राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरल, माहे, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा और कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।' आईएमडी ने 6 जून से केरल में भारी बारिश की भविष्यवाणी की थी। केरल के पठानमथिट्ठ और इडुक्की जिलों में भी सोमवार तक येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली-ठउफ में कब दस्तक देगा मॉनसून

मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि 30 जून के आसपास दिल्ली एनसीआर में मॉनसून दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि एक सप्ताह में दिल?ली का तापमान 42-43 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। हालांकि हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन धूप से राहत नहीं मिलेगी। बादल, धूप और हवा के २रुख की वजह से मौसम में आद्रता का स्तर बढ़ने की उम्मीद है, जिससे उमस और बढ़ सकती है।

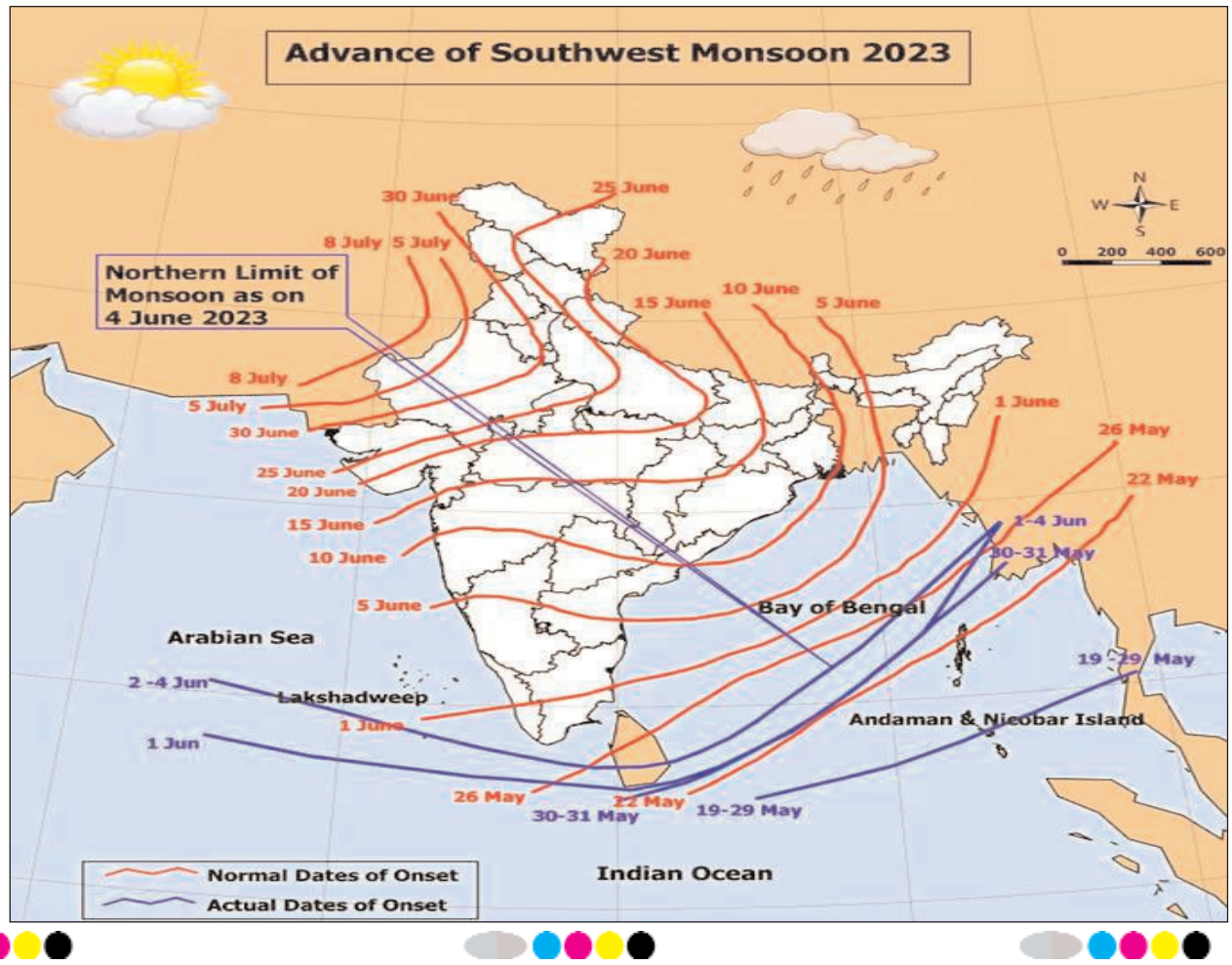

करें टॉप 5 सब्जियों की खेती, होगी लाखो की कमाई

करण वाणी, न्यूज

खेती-किसानी के काम को मौसम के अनुरूप करने से अच्छा उत्पादन मिलता है। यदि मौसम के अनुसार सही समय पर फसल की बुवाई का काम किया जाए तो इससे अच्छी पैदावार तो मिलती ही है, साथ ही बेहतर मुनाफा भी होता है। इसलिए किस महीने किस फसल की बुवाई करनी चाहिए ये हमें पता होना चाहिए, तभी हम उस फसल का अच्छा उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। चाहे वो अनाज हो या दलहनी फसल हो या फिर सब्जियों की फसल ही क्यूं न हो। इस समय गेहूं की बुवाई लगभग पूरी हो गई है। गेहूं लंबी अवधि की फसल है। इस बीच किसान सब्जी की खेती कर-के इससे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ऐसी कई सब्जियां हैं, जो कम लागत में अच्छी कमाई देती हैं। आप इनकी खेती जनवरी माह में करके अच्छी इनकम प्राप्त कर सकते हैं। आज हम आपको जनवरी माह में उगाई जाने वाली चुनिंदा 5 टॉप सब्जियों की खेती की जानकारी दे रहे हैं जिससे आप काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

टर की खेती

मटर की खेती काफी लाभकारी खेती होती है। मटर की खेती करके किसान काफी अच्छा पैसा बना सकते हैं। मटर को दो तरीके से बेचा जा सकता है। एक तो मटर को ताजा सब्जी के रूप में बेच सकते हैं और दूसरा मटर की प्रोसेसिंग करके उन्हें पैकिंग में बेचा जा सकता है जो लंबे समय तक चलता है। इस मटर को फ्रोजन मटर कहा जाता है। ऐसे में आप इसे साल भर बेचकर अच्छा पैसा कमा सकते हैं। मटर की खेती के लिए आप इसकी अपर्णा मटर, आर्किल मटर, जवाहर मटर, काशी उदय मटर, पंत सब्जी मटर जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं। इसमे आपको अपने क्षेत्र के अनुसार मिट्?टी और जलवायु के आधार पर मटर की किस्म का चयन करना चाहिए।

ब्रोकली की खेती

जनवरी में ब्रोकली की खेती भी अच्छा मुनाफा देती है। खास बात ये हैं कि इसके बाजार में काफी अच्छे भाव मिल जाते हैं। ये स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी लाभकारी सब्जी मानी जाती है। इसलिए इसकी मांग बडी-बड़ी होटलों मे अधिक होती है। इसे बड़े- मॉल्स और बाजारों में बेचा जाता है। आजकल कई कंपनियों ने अपने स्टोर्स खोल रखें हैं जहां इन्हें बेचा जाता है। ब्रोकली की खेती लाभकारी खेती मानी जाती है। इसकी खेती करके लागत से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। आप ब्रोकली की ऑर्गेनिक खेती करके काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। अब बात करें ब्रोकली की किस्मों की तो इसकी किस्मों में ब्रोकली की सफेद, हरी व बैंगनी किस्में आती है, लेकिन इनमें से हरी ब्रोकली की किस्म ही सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। ब्रोकली की प्रमुख किस्मों में नाइन स्टार, पेरिनियल, इटैलियन ग्रीन स्प्राउटिंग या केलेब्रस, बाथम 29 और ग्रीन हेड शामिल हैं।

मूली की खेती

मूली की खेती कम लागत में अधिक उपज देने वाली किस्म मानी

जाती है। यह सर्दियों के मौसम में काफी अच्छी पैदावार देती है क्योंकि इस फसल की तासीर ठंडी होने से इसे धूप की कम आवश्यकता पड़ती है। इसलिए इसे सर्दियों में ही उगाया जाता है। मूली खाने से पाचनक्रिया सही रहती है। कई रोगों में मूली के बीजों व रस को औषधी के रूप में प्रयोग में लिया जाता है। ज्यादातर इसका उपयोग सलाद व सब्जी बनाने व मूली के परांठे बनाने में किया जाता है। इसके पत्तों को पशुओं को खिलाने में काम में लिया जा सकता है। मूली की खेती के लिए किसान भाई इसकी उन्नत किस्मों में मूली की जापानी सफेद, पूसा देशी, पूसा चेतकी, अर्का निशांत, जौनपुरी, बॉम्बे रेड, पूसा रेशमी जैसी उन्नत किस्मों की बुवाई कर सकते हैं।

फ्रेंच बीन की खेती

किसान भाई फ्रेंच बीन की खेती करके भी अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। फ्रेंच बीन को ताजा हरी सब्जी के रूप में खाया जाता है। इसके अलावा इसे सूखा कर राजमा और लोबिया के रूप में भी खाया जाता है। इस तरह ये सब्जी भी अधिक दिनों तक संग्रहित करके रखी जा सकती है और इसका उपयोग भी अधिक समय तक किया जा सकता है। ऐसे में इसकी खेती भी किसानों के लिए मुनाफे का सौंदा साबित हा सकती है। फ्रेंच बीन की दो तरह की किस्में आती हैं, पहली झाड़ीदार किस्में और दूसरी बेलदार किस्में। झाड़ीदार किस्मों में कंटेंडर, जाइंट स्ट्रींगलेस, पेसा पार्वती, अकार कोमल आदि आती हैं। वहीं बेलदार किस्मों में पूसा हिमलता, केंटुकी वंडर आदि किस्में हैं। इनमें से किसान अपने क्षेत्र की जलवायु व मिट्टी के आधार पर इसका चयन कर सकते हैं। किसान एक बात का विशेष ध्यान रखें कि इसकी फसल के लिए ज्यादा सर्दी और ज्यादा गर्मी दोनों ही हानिकारक है। इसलिए इसे ऐसे स्थान पर बोये जहां न ज्यादा सर्दी हो और न ही ज्यादा गर्मी। सर्दियों में इसकी फसल को पाले से बचाव करना जरूरी है।

पालक की खेती

पालक की खेती से भी किसान अच्छा लाभ कमा सकते हैं। इसकी खेती भी सर्दियों में काफी आसानी से की जा सकती है। सर्दियों में लोग हरे पालक की सब्जी, कई सब्जियों के साथ जैसे- पालक पनीर, आलू पालक, सादा पालक की सब्जी बनाकर खाई जाती है। इसके अलावा कई चीजों में भी इसे डालकर खाया जाता है। पालक के परांठे भी लोग बड़े चाव से खाते हैं। पालक आयरन का उत्तम स्त्रोत हैं। इसका प्रयोग गाजर के ज्यूस में भी किया जाता है। इसकी बाजार में मांग भी अच्छी रहती है और इसके दाम भी बेहतर मिल जाते हैं। इसलिए ये कहा जा सकता है कि पालक की खेती किसी भी तरह से किसानों के लिए घाटे का सौंदा नहीं है। किसान इसकी बुवाई के लिए आल ग्रीन, पूसा हरित, पूसा ज्योति, बनर्जी जाइंट, जोबनेर ग्रीन जैसी उन्नत किस्मों का चयन कर सकते हैं।

राजस्थान के किसान जोजोबा की खेती कर कमा रहे हैं लाखों

एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है, वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है।

करण वाणी, न्यूज

धीरे-धीरे खेती उन्नत होती जा रही है, किसान अब ऐसी फसलों की तरफ ध्यान दे रहे हैं जिनसे उन्हें मोटा मुनाफा हो. इन्हीं फसलों में से एक है जोजोबा. यह फसल ज्यादातर रेगिस्तान वाले इलाकों में होती है. भारत में राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहां की किसान ने फसल के जरिए लाखों की कमाई सालाना करते हैं. आज हम आपको इसी फसल से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराएंगे और इसके साथ ही बताएंगे कि अगर आप अपने राज्य में इसकी खेती करना चाहें तो कैसे कर सकते हैं।

जोजोबा के उपज की बात करें तो यह अन्य फसलों के मुकाबले काफी ज्यादा है. एक एकड़ में जोजोबा की खेती करने से 5 क्विंटल बीज निकलता है. वहीं अगर बाजार में इसकी कीमत की बात करें तो जोजोबा के 1 लीटर तेल की कीमत लगभग 7000 रुपये है. आपको बता दें 5 क्विंटल सीड से 250 लीटर तेल निकल सकता है।

जोजोबा के बीज से निकलने वाले तेल में वैक्स एस्टर मौजूद होते हैं. ये वैक्स एस्टर, मॉइस्चराइजर, शैंपू, बालों के तेल, लिपस्टिक, कंडीशनर, एंटी-एजिंग और सन केयर प्रॉडक्ट्स बनाने में इस्तेमाल किये जाते हैं. इसके अलावा केमिकल्स और दवायें बनाने में भी इसका बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है।

जोजोबा की फसल मुख्य रूप से राजस्थान में होती है. हालांकि, कृषि विशेषज्ञों की मानें तो पंजाब, हरियाणा उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के किसान भी जोजोबा की

खेती करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. यूपी और बिहार वाले किसान भी इस फसल में अपने हाथ आजमां सकते हैं, लेकिन बस उन्हें थोड़ी तकनीक का भी इसकी खेती के लिए सहारा लेना पड़ेगा. हालांकि, बुंदेलखंड के कुछ इलाकों में इसकी फसल बोई जा सकती है और उससे मुनाफा भी कमाया जा सकता है।

उर्फी जावेद ने अपने तन से निकाल फेंके सभी कपड़ें

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। सोशल मीडिया सेंसेशन ऊर्फी जावेद एक बार फिर से चर्चा का विषय बन चुकी है। हालांकि हम कुछ नई बात नहीं बता रहे हैं। वह हमेशा ही अपनी हरकतों अपने अटपटे कपड़ों और फैशन की वजह से चर्चा में रहती हैं। उर्फी जावेद इन दिनों चर्चा का पर्याय बन चुकी है। वह हर दिन कुछ ऐसा पहन कर आती है जिससे कि हर किसी की निगाहें उन पर ही टिक जाती हैं।

लोग उन्हें देखना पसंद करते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग उन्हें ट्रोल करने से भी पीछे नहीं हटते। उर्फी जावेद ने इस बार अपने नए फैशन से हर किसी को चौका दिया है। इस बार उनकी ड्रेस देखकर आपका दिमाग खराब नहीं होगा। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इस बार उर्फी जावेद ने अपने तन पर किसी तरह का कोई कपड़ा पहना ही नहीं है।

जी हां इस बार उर्फी जावेद बिना कपड़ों के ही सबके सामने आ चुकी हैं। उर्फी जावेद ने अपने तन को ढकने के लिए गुलाब के फूल की पत्तियों का इस्तेमाल किया है। इस तरह का फैशन तो उर्फी जावेद ही कर सकती हैं। कभी बालों की ड्रेस बना लेती है तो कभी बोतल के ढक्कन से।

गौरतलब है कि अपनी ड्रेस को लेकर उर्फी कई बार ट्रोल होती रहती हैं। एक बार वह जाली वाली ड्रेस पहन कर आ गई थी। जिसे देखकर लोगों ने पुलिस की प्रोटेक्शन वाली जाली कह दिया था।

अपनी इसी ड्रेस की वजह से उर्फी जावेद चाय भी नहीं पी पा रही थी। लोगों ने उन्हें जमकर मजाक बनाया। पिछले हफ्ते ही उर्फी जावेद बच्चों के टेडी बियर से बना हुआ जैकेट पहन कर आई थी। हालांकि लोगों ने उनके उस फैशन की जमकर तारीफ की थी। उर्फी जावेद के काम के बारे में बात करें तो उन्हें सबसे पहली बार वर्ष 2016 में टीवी इंडस्ट्री में बड़े भैया की दुल्हनिया में देखा गया था। उसके बाद ऊर्फी जावेद कई टीवी के शो में नजर आई।

'द केरल स्टोरी' के बाद आतंकवाद पर चोट करती एक और फिल्म, '72 हूरें' का टीजर रिलीज

पूरे विश्व में आतंकवाद चिंता का एक प्रमुख विषय है, लेकिन यह भी सोचने वाली बात है कि ये आतंकवादी कौन हैं? वे किसी दूसरे ग्रह के नहीं बल्कि बाकी के लोगों की तरह हैं, जिनके दिमाग में बेशुमार जहर भरकर उनका ब्रेनवॉश कर दिया जाता है।

करण वाणी, न्यूज

पूरे विश्व में आतंकवाद चिंता का एक प्रमुख विषय है, लेकिन यह भी सोचने वाली बात है कि ये आतंकवादी कौन हैं? वे किसी दूसरे ग्रह के नहीं बल्कि बाकी के लोगों की तरह हैं, जिनके दिमाग में बेशुमार जहर भरकर उनका ब्रेनवॉश कर दिया जाता है।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

पूरे विश्व में आतंकवाद चिंता का एक प्रमुख विषय है, लेकिन यह भी सोचने वाली बात है कि ये आतंकवादी कौन हैं? वे किसी दूसरे ग्रह के नहीं बल्कि बाकी के लोगों की तरह हैं, जिनके दिमाग में बेशुमार जहर भरकर उनका ब्रेनवॉश कर दिया जाता है और वे जिहाद के नाम पर आतंकवाद का रास्ता अपना लेते हैं। 72 हूरें एक ऐसी फिल्म है जिसमें यह दिखाने की कोशिश की जाएगी कि किस प्रकार आतंकियों को ट्रेनिंग के दौरान यह विश्वास दिलाया जाता है कि मरने के बाद जन्नत में

उनकी सेवा 72 कुंवारी लड़कियां करेंगी। इस फिल्म को दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संजय पूरन सिंह बना रहे हैं।

निर्देशक ने कही यह बात

इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "अपराधियों द्वारा मस्तिष्क का धीमा जहर आम लोगों को आत्मघाती हमलावरों में बदल देता है। हमें याद रखना चाहिए कि हमलावर के भी हमारे जैसे परिवारों होते हैं जो आतंकवादी नेताओं के विकृत विश्वासों और ब्रेनवाशिंग के शिकार हो जाते हैं और 72 कुंवारी हूरों के घातक भ्रम में फंस जाते हैं। वे विनाश के रास्ते पर चलते हैं, अंततः एक भीषण अंजाम तक पहुंचते हैं।" गौरतलब है कि '72 हूरें' में पवन मल्होत्रा और आमिर बशीर मुख्य भूमिका में हैं और यह सात जुलाई, 2023 को बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है।

हुक्का बार में काम करती थीं नोरा फतेही: बोलीं-हर रोज खुद को कमरे में बंद कर लेती थी

करण वाणी, न्यूज

नोरा फतेही ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल के दिनों पर बात की। उन्होंने बताया कि एक दौर में वे हुक्का बार में काम किया करती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि वे दूसरी लड़कियों की तरह पार्टी नहीं करती थीं बल्कि रोज खुद को एक रूम में बंद करके अपनी स्किल्स पर काम करती थीं। 31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हेलन को अपना आदर्श बताया और कहा कि वे उनकी बायोपिक करना चाहती हैं।

शुक्रगुजार हूं कि मैं हर मौके के लिए तैयार थी

बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिए एक इंटरव्यू में नोरा ने बताया कि उन्होंने अपनी बेसिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के काम किए। अपनी डांसिंग स्किल्स को और बेहतर बनाने के लिए उन्होंने हुक्का बार में भी काम किया है। नोरा बोलीं- ह्यमुझे जो भी मौके मिले एकदम आखिरी वक्त पर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं हर मौके के लिए पहले से ही तैयार थी।ह्न

बाकी लड़कियों की तरह पार्टी नहीं करती थी

नोरा ने कहा, 'मैं घर से बाहर नहीं जाती थी। बाकी लड़कियों की तरह पार्टी नहीं करती थी। खुद को हर रोज एक कमरे में बंद करके अपनी हिंदी पर काम करती थी और टीवी देखकर डांस प्रैक्टिस करती थी। इसके चलते मैंने अपने भाई की शादी, उसका बर्थडे और बहुत कुछ मिस किया। कई लोग मुझसे पूछा करते थे- 'क्या तुम अगली कटरीना कैफ बनना चाहती हो?'

हेलन को मानती हैं अपना आदर्श

इसी इंटरव्यू में नोरा ने बताया कि वे हेलन को अपना आदर्श मानती हैं। नोरा ने कहा, 'मैं अक्सर स्टेज पर जाने से पहले हेलन के डांस वीडियो देखा करती थी। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। अगर मुझे कभी उनकी बायोपिक करने का मौका मिला तो मैं खुद को खुशकिस्मत समझूंगी।

सीएम योगी ने बैठक में दी सख्त हिदायत....

कानून-व्यवस्था पर तय होगी अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक की, इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी हाल में अपराधी या माफिया छवि के व्यक्ति को किसी प्रकार के काम का ठेका न दिया जाए. शनिवार को यहां पहुंचे मुख?यमंत्री ने सर्किट हाउस के सभागार में विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक करते हुए अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की.

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर में जारी विकास परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान युद्धस्तर पर अभियान चलाकर निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराए जाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए. बयान के मुताबिक, इसके साथ ही सीएम योगी ने अधिकारियों को इस बात का ध्यान रखने के लिए भी सख्त हिदायत दी है कि किसी भी हाल में कोई अपराधी या माफिया छवि का व्यक्ति किसी प्रकार का ठेका ना प्राप्त कर सके.

अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में 11 से 13 जून को आयोजित होने जा रही जी-20 बैठक के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुदृढ़ किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया. उन्होंने पिछले दिनों काशी विश्वनाथ मंदिर में हुई सुरक्षा चूक की चर्चा करते हुए सुरक्षा व्यवस्था और चाक-चौबंद करने का आदेश दिया।

समीक्षा बैठक के दौरान वाराणसी मंडल के आयुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि वर्तमान में शहर में केंद्र व राज्य की कुल 61 परियोजनाओं पर कार्य जारी है, जिनकी कुल लागत 10,305 करोड़ रुपये है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया।

बता दें कि सीएम योगी शनिवार को वाराणसी के दौरे पर थे. इस दौरान उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर में तीसरे ह्यह्यखेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्सह्लह्ल के समापन समारोह को संबोधित किया. राज्य के चार शहरों में 25 मई से तीन जून तक इसका आयोजन किया गया।

अधिकारियों को दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में 11 से 13 जून को आयोजित होने जा रही जी-20 बैठक के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुदृढ़ किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया. उन्होंने पिछले दिनों काशी विश्वनाथ मंदिर में हुई सुरक्षा चूक की चर्चा करते हुए सुरक्षा व्यवस्था और चाक-चौबंद करने का आदेश दिया।

समीक्षा बैठक के दौरान वाराणसी मंडल के आयुक्त कौशल राज शर्मा ने

बताया कि वर्तमान में शहर में केंद्र व राज्य की कुल 61 परियोजनाओं पर कार्य जारी है, जिनकी कुल लागत 10,305 करोड़ रुपये है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन भी किय।

बता दें कि सीएम योगी शनिवार को वाराणसी के दौरे पर थे. इस दौरान उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर में तीसरे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के समापन समारोह को संबोधित किया. राज्य के चार शहरों में 25 मई से तीन जून तक इसका आयोजन किया गया।

बुलडोजर के डर से गोरखपुर के टॉप-10 माफिया राकेश यादव ने किया सरेंडर

90 के दशक में अपराध में कदम रखने वाले राकेश यादव पर 52 मुकदमे दर्ज हैं, 25 मार्च 1996 को राकेश ने विधायक ओमप्रकाश पासवान की बम मारकर हत्या कर दी थी।

करण वाणी, न्यूज

यूपी के गोरखपुर में माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा कसता चला जा रहा है. माफिया अजीत शाही, सुधीर सिंह के बाद अब माफिया राकेश यादव ने गोरखपुर के सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. फरार राकेश यादव के घर बुलडोजर चलाने की कवायद को पूरा करने के लिए जीडीए द्वारा नक्शा और अन्य कागजातों की जांच के बाद ही उसके खौफ का काउंटडाउन शुरू हो गया था, उसके घरवाले भी बुलडोजर चलने की उड़ती हुई खबर के बाद से दहशत में रहे हैं. पुलिस के दबाव की वजह से राकेश यादव ने शनिवार को सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

गोरखपुर में 90 के दशक में आतंक का पर्याय रहे माफिया राकेश यादव ने सिविल कोर्ट में शनिवार को सरेंडर कर दिया. बाबा के बुलडोजर का खौफ माफियाओं के सिर पर चढ़कर बोल रहा है. यही वजह है कि राकेश यादव ने सरेंडर करने में ही भलाई समझी. पुलिस उसकी तलाश में लगातार उसके ठिकानों पर दबिश भी डाल रही थी. 90 के दशक में अपराध में कदम रखने वाले इस माफिया पर 52 मुकदमे दर्ज हैं. सबसे ज्यादा चर्चा में वो 25 मार्च 1996 को तब आया जब मानीराम के तत्कालीन विधायक ओमप्रकाश पासवान की माल्हनपार रोड पर चुनावी जनसभा में बम मारकर हत्या कर दी गई और राकेश यादव को मुख्य आरोपी बनाया गया।

माफिया राकेश यादव ने कोर्ट में किया सरेंडर

अंडरग्राउंड होकर जमीन का धंधा करने वाला माफिया राकेश यादव बदमाशों की सूची में गोरखपुर जिले के टॉप-10 और प्रदेश के टॉप-61 में शामिल है. राकेश यादव की जड़े जमीन के धंधे में इतनी गहरी हैं कि विवादित भूमि पर कब्जा करने से लेकर उसे बेचने तक में कोई हस्तक्षेप नहीं करता है. पुलिस को कई दिनों से उसकी तलाश थी, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिल रहा था. माफिया राकेश यादव ने पुलिस को चकमा देते हुए शनिवार को कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया. ओमप्रकाश पासवान की हत्या मामले में जेल से छूटने के बाद उसने लंबे समय तक नेपाल में शरण ले ली थी।

माफिया राकेश यादव पर दर्ज मुकदमों में से छह मामलों में अब पुलिस कोर्ट में पैरवी करेगी. कोर्ट में गवाही, साक्ष्य प्रस्तुत कराएगी ताकि सजा हो सके. पीपीगंज थाने में दर्ज गैंगस्टर केस अपराध संख्या 89/91, गुलरिहा थाने में दर्ज 332/99, गुलरिहा में दर्ज आर्म्स एक्ट अपराध संख्या 333/99, गुलरिहा के अपराध

संख्या 600/19, पिपराइच में दर्ज अपराध संख्या 77/2020, गुलरिहा एक्ट अपराध संख्या 870/20 की पैरवी पुलिस करेगी।

वकील ने दी ये दलील

राकेश यादव के अधिवक्ता निलय कुमार मिश्रा ने बताया कि राकेश यादव वर्तमान में किसी भी मुकदमे में वांछित नहीं है. प्रशासन का दबाव रहा है कि वो किसी भी मुकदमे में जेल चले जाए. प्रशासन के दबाव के एक मुकदमे में जमानत निरस्त कराकर उन्हें जेल भेजा गया है. उनके ऊपर विधायक ओम प्रकाश पासवान की हत्या का मुकदमा रहा है. जिसमें वे साल 2018 में ही बरी हो चुके हैं. अधिकतम मुकदमे में वे बरी हो चुके हैं. 2020-22 के जो मुकदमे में वे आरोपी बनाए गए हैं. जेएम प्रथम की कोर्ट में शनिवार को 11 बजे उन्होंने सरेंडर किया है।

चिलुआताल के एक 307 के मुकदमे में उन्होंने जमानत कराया है. उन्होंने बताया कि पुलिस उनके ऊपर 50 से अधिक मुकदमे बताती है. लेकिन उनके ऊपर वर्तमान में सिर्फ 5 मुकदमे हैं. पूर्व के सारे मुकदमे खत्म हो चुके हैं. उसमें वे दोषमुक्त हो चुके हैं।

चीनी रक्षा मंत्री बोले- अमेरिका से लड़ाई में मचेगी तबाही

नाटो जैसे संगठन बना कर एशियाई देशों को किडनैप किया जा रहा

करण वाणी, न्यूज

चीन के डिफेंस मिनिस्टर ली शांगफू ने अमेरिका से चल रही तनातनी के बीच सिंगापुर में चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने दोनों देशों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर देने की बात कही है। शांगफू ने कहा कि अगर चीन और अमेरिका में लड़ाई हुई तो पूरी दुनिया में खतरनाक तबाही मचेगी।

शांगरी- ला डायलॉग में उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच का फर्क इतना बड़ा नहीं होना चाहिए की वो किसी मुद्दे पर सहमत नहीं हो पाएं। रविवार को शांगफू का ये कमेंट उस समय आया है जब अमेरिकी सेना ने चीनी सेना पर उसके डिस्ट्रोयर के पास असुरक्षित पैंतरेबाजी करने के आरोप लगाए हैं।चीन के डिफेंस मिनिस्टर ली शांगफू ने अमेरिका से चल रही तनातनी के बीच सिंगापुर में चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने दोनों देशों के बीच बातचीत की अहमियत पर जोर देने की बात कही है। शांगफू ने कहा कि अगर चीन और अमेरिका में लड़ाई हुई तो पूरी दुनिया में खतरनाक तबाही मचेगी।

शांगरी- ला डायलॉग में उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच का फर्क इतना बड़ा नहीं होना चाहिए की वो किसी मुद्दे पर सहमत नहीं हो पाएं। रविवार को शांगफू का ये कमेंट उस समय आया है जब अमेरिकी सेना ने चीनी सेना पर उसके डिस्ट्रोयर के पास असुरक्षित पैंतरेबाजी करने के आरोप लगाए हैं।

शांगरी- ला डायलॉग में चीनी रक्षा मंत्री की अहम बातें...

चीन के रक्षा मंत्री ने शांगरी-ला सिक्योरिटी डायलॉग में शीत युद्ध और नाटो पर अपनी बात रखी। एशिया में नाटो जैसे संगठन बनाने पर चेतावनी दी। इस दौरान शांगफू का इशारा अमेरिका की ओर था। शांगफु ने कहा कि एशिया-पैसिफिक में नाटो जैसे मिलिट्री संगठन खड़े करने से पूरा इलाका लड़ाईयों और विवादों में फंसकर रह जाएगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे संगठन बनाने की कोशिशों कर एशियाई देशों की किडनैपिंग की जा रही है। वहीं अमेरिका का नाम लिए बिना शांगफू ने कहा कि वो कुछ देश दूसरों के मामले में दखलअंदाजी कर हथियारों की रेस को बढ़ावा दे रहे हैं। इनकी (अमेरिका) की शीत युद्ध की मानसिकता फिर हावी हो रही है।

अमेरिका ने कहा था- चीन बात नहीं कर रहा

चीन के रक्षा मंत्री शांगफू से पहले शनिवार को शांगरी ला डायलॉग में अमेरिका के डिफेंस मिनिस्टर लॉयड ऑस्टिन ने कहा था कि चीन के बातचीत नहीं करने की वजह से दोनों देशों के बीच ताइवान, साउथ चाइना सी को लेकर जारी गतिरोध खत्म नहीं हो पा रहा है।

वहीं, चीन ने अमेरिका से बातचीत को लेकर एक शर्त रखी है। जिसमें वो चाहते हैं कि वॉशिंगटन सीधे संकेत दे कि एशिया में उनका रवैया कम टकराव वाला रहेगा। साथ ही अमेरिका से शांगफू पर लगाई गई पाबंदियों को हटाने की भी मांग की गई है। दरअसल, अमेरिका ने 2018 में ली पर पाबंदियों की घोषणा की थी। इसकी वजह रूस से हथियार लेने को बताया था।

अमेरिका-चीन के रिश्तों में ताइवान सबसे बड़ा फ्लैश प्वाइंट

अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि चीन के ऐतराज के बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा। अमेरिका भी दशकों से वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर अस्पष्ट नीति अपनाता है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिलहाल इस पॉलिसी से बाहर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका उसके बचाव में उतरेगा। बाइडेन ने हथियारों की बिक्री जारी रखते हुए अमेरिकी अधिकारियों का ताइवान से मेल-जोल बढ़ा दिया।

बाइडन ने ऋण सीमा बढ़ाने संबंधी विधेयक पर किए हस्ताक्षर

टला अमेरिका का डिफॉल्टर होने का खतरा

करण वाणी, न्यूज

व्हाइट हाउस ने एक ईमेल के जरिए बयान में हस्ताक्षर किए जाने की घोषणा की। इसमें बाइडेन ने कांग्रेस के नेताओं को उनकी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

अमेरिकी राजस्व विभाग ने चेतावनी दी थी कि अगर यह विधेयक समय रहते पारित नहीं हुआ तो देश के सामने अपने बिलों का भुगतान करने के लिए नकदी के संकट खड़ा हो जाएगा। इससे अमेरिकी और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

खर्च में कटौती करने के मुद्दे पर रिपब्लिकन पार्टी ने बिल पर गतिरोध पैदा कर दिया था। इससे डेमोक्रेटिक पार्टी के सामने संकट की स्थिति पैदा हो गई थी। विधेयक को अमेरिकी सीनेट ने 36 के मुकाबले 63 मतों से पारित किया था।

जो बाइडन ने कहा कि हम खर्च में कटौती कर रहे हैं और एक ही समय में घाटे को कम कर रहे हैं। हम बुनियादी ढांचे और स्वच्छ ऊर्जा में हमारे परिवर्तनकारी निवेशों के लिए सामाजिक सुरक्षा से लेकर मेडिकेयर से लेकर मेडिकेड तक दिग्गजों तक महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं की रक्षा कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सौदे में "समझौता और सहमति" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी को भी वह सब कुछ नहीं मिला जो वे चाहते थे, लेकिन अमेरिकी लोगों को वह मिला जिसकी उन्हें जरूरत थी। हमने एक आर्थिक संकट और एक आर्थिक पतन को टाल दिया है।

राहत की सांस ले सकता है अमेरिकाः शूमर

सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा कि विधेयक के पारित होने का मतलब है कि अमेरिका राहत की सांस ले सकता है। इसके पहले बाइडन ने शुक्रवार शाम ओवल हाउस में कहा था कि इस बजट समझौते को पारित करना महत्वपूर्ण था। देश के ऋण चूक से ज्यादा विनाशकारी कुछ नहीं होता है।

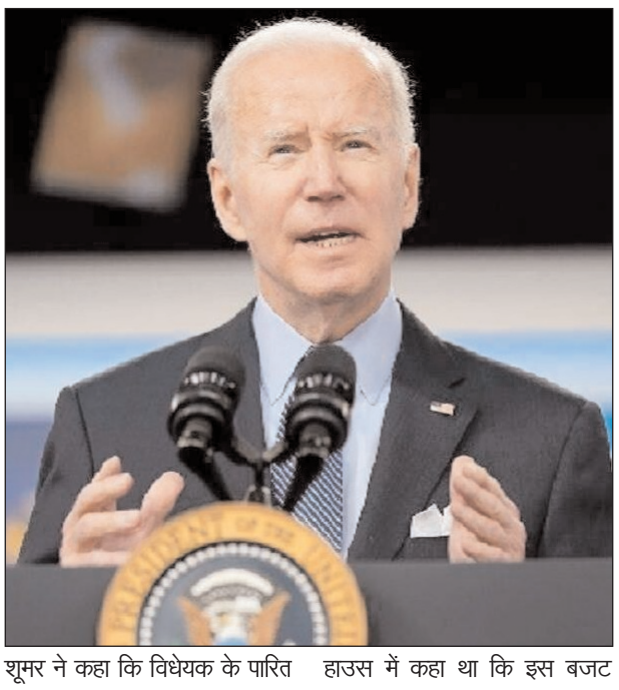

युद्ध के मैदान में "अभिमन्यु बनी यूक्रेन की सेना", कीव पर लगातार छठे दिन रूसी हमले को कर दिया नाकाम

रूस और यूक्रेन की लड़ाई का कोई अंत होता नहीं दिख रहा है। यूक्रेनी सुरक्षा बल रूसी सेनाओं का डटकर मुकाबला कर रहे हैं। यूक्रेन ने रूस की दर्जनों क्रूज मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया है।

रूस और यूक्रेन में भीषण युद्ध का सिलसिला जारी है। रूस के जबरदस्त हवाई हमले को रोकने के लिए यूक्रेनी बल अभिमन्यु के रोल में उतर आए हैं। दरअसल यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने कीव पर लगातार छठवें दिन रूस के घातक मिसाइल हमलों को नाकाम कर दिया है। यूक्रेन के हवाई बलों ने कीव में छह दिन में रूस के छठे हमले में 30 से अधिक रूसी क्रूज मिसाइल और ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कीव के वरिष्ठ अधिकारी सरही पोपको ने टेलीग्राम पर लिखा कि कैस्पियन क्षेत्र से ईरान निर्मित शहीद ड्रोन और क्रूज मिसाइलों द्वारा यूक्रेनी राजधानी पर एक साथ अलग-अलग दिशाओं से हमला किया गया था।

यूक्रेन के महा अभियोजक कार्यालय के अनुसार हमले में 68 साल का एक व्यक्ति और 11 साल का एक बच्चा घायल हो गये और मलबा गिरने से लोगों के घर, इमारतें तथा कारों को नुकसान हुआ। राजधानी कीव में हाल ही में हुए हमलों ने वहां के निवासियों को परेशानी में डाला है तथा यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमताओं का परीक्षण किया है, वहीं कीव के अधिकारी रूस के हमले के 15 महीने बाद उसकी सेना को खदेड़ने के लिए एक आगामी जवाबी कार्रवाई की योजना बना रहे हैं। पिछले महीने 17 दिन तक कीव पर ड्रोन और मिसाइल हमले किये गये। इनमें दिनदहाड़े किये गये हमले भी शामिल हैं।

विदेशी हथियारों से ताकतवर हुआ यूक्रेन

लड़ाई में कई बार रूस यूक्रेन पर भारी पड़ता रहा है, लेकिन विदेशी हथियारों से यूक्रेन भी रूसी सेनाओं के छक्के छुड़ा रहा है। वाशिंगटन से संचालित थिंकटैंक ह्यइंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के अनुसार रूस की रणनीति उलटी पड़ सकती है। यूक्रेन के चीफ ऑफ स्टाफ वालेरी जालुझंकी ने कहा कि यूक्रेन के हवाई रक्षा बलों ने सभी 15 क्रूज मिसाइल और 21 ड्रोन हमलों को बीच में ही नाकाम कर दिया। इस बीच रूस के सीमावर्ती क्षेत्रों में एक बार फिर यूक्रेन की तरफ से गोलीबारी हो रही है। हाल में सीमापार हमलों ने रूस के इन क्षेत्रों को दहला दिया है और वह चौकन्ना हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800